Since 2014

TAPYS TALK

(Self-managed by Students)

TO LEARN* TO SERVE* TO EXCEL

TIHS, SAGUNA MORE, CANTT RAOD, KHAGAUL, DANAPUR, PATNA

Date:- 11/03/2025, Page 1

Editorial Board

B.Ed. (2024-26)

1. Riya Raj, Roll No. – 42
2. Brijnandan Kumar, Roll No. – 18
3. Nishi, Roll No. – 46
4. Kaushal Kumar, Roll No. – 85
5. Twinkle Sharma, Roll No. – 48
6. Amit Kumar, Roll No. - 09

Message from the Chief Editor

I am greatly indebted to my students who have always stayed close to me and working hard to forward their 'TAPYS Talk' in the realm of real world. International Women's Day I can only say that respect the women, their priorities and their vision without any force & perspectives to which we are addicted. They don't need your support but respect in what they feel & do.

With best wishes on Holi….

From
Abineshwar Singh
Director,
TIHS Patna

Message from the Editorial Board

Namaste

With great honor, we the Editorial board, extend our deepest gratitude for your unwavering support in our literary endeavours. Our mission is to cultivate a platform that embodies intellectual brilliance, artistic ingenuity, and diverse perspectives. We invite you to be the architects of this legacy – contribute your thoughts, poetry, essays and artwork to shape a publication that echoes the spirit of our institution. Together, let us create an anthology of brilliance that will resonate through the chronicles of TIHS College.

Memories

As I reflect on the past year. I am reminded of the bittersweet memories that have shaped me into the person. I am today. One of the most significant experiences was the separation from my closest friends, who had been my constant companions throughout my academic journey. The pursuit of my dreams and career beckoned, and I couldn't let nostalgia hold me back. I embarked on a new journey, filled with exciting challenges and opportunities. As I navigated this uncharted territory, I met new people who shared similar passions, and interests. I found myself making new friends who enriched my life in ways I never thought possible. With each new experience, I felt myself growing, learning and thriving. I was hesitant to let go, I was now a more confident individual, eager to take on the world and make the most of this new chapter.

- Kumari Lucky Singh,
B.Ed., Roll No-69, Session (2024-26)

'Childhood'

A Campus light, with colours bold where dreams take light, and stories, told. A time of play, a carefree glee, A world of wonder, wild and free.

With curious eyes, the world was explored, each pill turned, each secret stored. Imagination, a lewd less sea, where giants roam, and fairies flee.

The laugh sings, a joyful sound, as friendships bloom, on common ground. A time for hugs, and scraped-up knees, and warmth was found, beneath the trees.

But childhood fades, like morning dew, and memories linger, soft and true. A golden age, forever gone, yet cherished still, in heart and song.

- Riya Raj,
B.Ed., Roll No - 42,
Session (2024-26)

Global Warming

Global Warming is an increase in the earth's temperature

Global warming is increasing mainly due to human activities such as industrial processes, burning fossil fuels, and deforestation. They release large amount, of greenhouse gases like, carbon dioxide, Ozone, Ultra vapor, methane, nitrous oxide etc. in the atmosphere. As a result, Earth's temperature continues to rise, disturbing its natural balance.

The effect of global warming are visible ultra-violet Melting glaciers, rising sea levels and extreme weather Conditions like cyclones, and drought, are becoming more frequent. These changes not only threaten human beings but also wildlife and marine life.

To stop global warming we should: -

- Encourage people to plant trees to reduce the amount of carbon dioxide in the air.
- Recycle paper, plastic, newspaper, glass, and aluminum containers.
- Reduce your energy use.

- Neetu Kumari,
B.Ed., Roll No-65, Session (2024-26)

2024 मेरे लिए एक एडवेंचर रहा। इसकी शुरूआत मैंने नए के दमदार आगाज के साथ की। इस साल मैं अपने पूरे परिवार के साथ सोनपुर मेला गई थी। हर साल की तरह इस साल भी इस मेले में चारों तरफ भीड़,तरह–तरह के स्टॉल, झूले और पशु प्रदर्शनी मेले को एक अलग ही रंग दे रहे थे। इसके बाद मैंने बी0एड्0 में एडमिशन लेने की सोची और उसकी परीक्षा की तैयारी करने लगी। मैने एडमिशन पाने के लिए पूरी मेहनत की और परिणाम निकलते ही मैने तपिंदु इंस्ट्टीच्यूट ऑफ हायर स्टडीज में एडमिशन ले लिया। इस साल दशहरा पूजा में मैने 80–85 साल की एक बूढ़ी महिला को देखा जो एक चटाई बिछा कर कलम किताब और कॉपी–बेच रही थी। मुझे ये देख कर अच्छा लगा कि वह इस उम्र में भी इस हाल में भी कुछ कमा कर अपना गुजारा कर रही है, भीख नहीं मांग रही है। मैंने और मेरे परिवार के लोगो ने उनसे कुछ न कुछ खरीदा और आगे बढ़ गए। मैंने उस बूढ़ी महिला को देखकर यह सीखा कि आप चाहे जिस उम्र के पड़ाव पर रहें किसी के सामने हाथ न फैलाएं, मेहनत करें।

- मधु कुमारी
बी.एड., रौल न. – 53, सत्र (2024-26)

बीते हुए साल की यादें––––
बीते हुए साल को आखिर कौन भूल पाया है,
सबको पता है साल ने कितना हँसाया और रूलाया है।
नई नौकरी मिलने की खुशी और किसी के बिछड़ने का गम,
बच्चों का पढ़ना देख रहे हम।
कुछ सपने साकार हुए इस साल में,
कुछ रह गए अगले साल के इंतजार में।
अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दौड़ में जुट गए हम,
धर की कुछ जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ गए हम
गाँव की याद आई तो वहाँ हो लिए,
दीदी की शादी में थोड़ा रो लिए।
कुछ खट्टी कुछ मिठ्ठी यादों के साथ बीत गए सारे त्योहार,
फिर जोश और उल्लास के साथ आने वाला है नया त्योहार
जिसे कहते है हम नया साल।

- टिंक्कल, बी.एड., रौल न. – 48, सत्र (2024-26)

खाद्य प्रदूषण

खाद्य प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए एक बहुत ही गंभीर समस्या है।

खाद्य प्रदूषण का मतलब खाद्य वस्तु में मिले हानिकारक पदार्थ जो मानव जीवन के लिए बहुत ही नुकसानदायक हैं। मानव के स्वास्थ्य और जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव डालती है। दूषित खाद्य पदार्थ मानव के लिए कई बीमारियां ही नहीं बल्कि समाज में जागरूकता और मानव सुरक्षा में कमियों को भी उजागर करता है।

आज हमलोग फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए कई ऐसे उर्वरक और कीटानाशक का उपयोग कर रहे हैं, जिससे हमारे फल सब्जियाँ दूषित हो रहे है, क्योंकि उनमें भी कीटनाशक अवशेष पाए जाते हैं जो कि कैसर और कई गंभीर बीमारिंयो का कारण बनते हैं।इन पदार्थो के इस्तेमाल से कुछ समय के लिए फसल उत्पादों मे तो वृद्धि होती है, किंतु लम्बे समय के लिए मिट्टी और जल को प्रभावित करता है। जिससे फसल उत्पादन मे नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

खाद्य प्रदूषण से बचाव के उपाए

:– जैविक कृषि को बढ़ावा देना और प्राकृतिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग कर खाद्य पदार्थो को सुरक्षित बनाया जा सकता है–

• साफ–सफाई,स्वच्छता, उत्पादन, भंडारण और परिवहन के दौरान स्वच्छता का पालन करना चाहिए।

• लोगों को खाद्य प्रदूषण और इससे होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करना होगा।

• सरकार को खाद्य सुरक्षा नियम का सख्ती से पालन करना सुनिश्चित करना होगा।

खाद्य प्रदूषण एक गंभीर समस्या है, जो मानव और पर्यावरण दोनो के लिए बहुत ही खतरनाक है। इसकी रोक–थाम के लिए सरकार और जनता दोनो को मिलकर काम करना होगा। स्वास्थ्य और स्वच्छ भोजन ही स्वस्थ समाज का निर्माण करता है।

- सौरभ कुमार,
बी.एड., रौल न. – 45,
सत्र (2024-26)

बिहार

बिहार का इतिहास काफी गौरवशाली रहा है। यह क्रांतिकारियों की भूमि है। यहाँ से अनेक अवतारों का उदय हुआ है।

बुद्ध :– Light of Asia कहे जाने वाले सिद्धार्थ को इसी बिहार की धरती बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति हुई और यहीं से बौद्ध धर्म का उदय हुआ।

मौर्य सम्राज्य :– चन्द्रगुप्त, बिम्बसार , अशोक जैसे महान शासकों ने इसी बिहार की धरती मगध पर अपने साम्राज्य का विस्तार कर इसे अफगानिस्तान की सीमा तक विस्तृत कर लिया (1839 से पहले अफगानिस्तान अखण्ड भारत का हिस्सा था)

:– जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर महावीर स्वामी का जन्म इसी बिहार की धरती वैशाली के कुण्डग्राम में हुआ।

:– सिखों के दसवें गुरू "गुरू गोविन्द सिंह" का जन्म बिहार में ही हुआ है।

:– नालन्दा विश्वविद्यालय, विक्रमशीला विश्वविद्यालय बिहार में ही था जिससे पूरा विश्व ज्ञान प्राप्त करता था और इस समय भारत जगत गुरू था।

जलवायु– यहाँ की जलवायु भी अनुकूल है। मुख्यतः यहाँ की भूमि समतल, नदी के किनारे उपजाऊ है। जिससे अनाज का उत्पादन अच्छी मात्रा में होता है।

कुल मिलाकर हम यह कह सकते है कि यह संसाधन सम्पन्न राज्य है। दिल्ली, मुम्बई जैसे राज्यों की तरह यहाँ पानी की समस्या नही है।

प्रश्नः– फिर भी बिहार पिछड़ा राज्य क्यों है?

(i) पिछले कुछ वर्षो से बिहार में "कुशल नेतृत्व कर्त्ता" की कमी रही है।
(ii) जातिगत राजनीति बिहार को और दलदल में धकेलती जा रही है।
(iii) शिक्षा का अभाव।
(iv) कोसी से प्रभावित बाढ़–पीड़ित क्षेत्र।
(v) प्रलोभन के आधार पर होने वाले चुनाव और इसके नतीजे।

जातिगत राजनीति

पिछले कुछ वर्षो में जातिगत राजनीति बिहार में बढ़ गई है और साथ में परिवार तंत्र बढ़ गया है। कुछ राजनीतिक पाटियाँ है जो परिवार तंत्र को बढ़ावा दे रही हैं। जैसे– बिहार के चर्चित नेता राजद पार्टी घोटाला में जेल गए तो उन्होने अपनी पार्टी के मुख्य नेता लालु प्रसाद जब चारा घोटाला में जेल गए तो उन्होने अपनी पार्टी का कमान और अपने मुख्यमंत्री का पद अपनी पत्नी " राबड़ी देवी" को दिया। जिन्हें हस्ताक्षर करना भी नहीं आता था। राबड़ी देवी के मना करने पर भी उनपर जबरन C.M बनने की जिम्मेदारी थोप दी जाती है। और उसका नतीजा पूरे प्रांत को चुकाना पड़ता है। जब नेतृत्व कर्त्ता ही अशिक्षित होगा तब प्रजा का ध्यान शिक्षा पर कैसे होगा?नेतृत्त्व कर्त्त का शिक्षित होना आवश्यक है।

अब यह G.K का प्रश्न हो गया है कि किस राज्य की मुख्यमंत्री अनपढ़ थी? उत्तर – बिहार की राबड़ी देवी। पर सबसे साक्षरता दर कम होने हुए भी सबसे अधिक IAS, IPS देने वाला राज्य बिहार है। बिहार में कभी प्रतिभा की कमी नहीं रही है। पर उस प्रतिभा को सही मार्ग दर्शन देने वालों की कमी रही है।वर्तमान समय में

कोसी से प्रभावित बिहार के कुछ जिले है जो लगभग हर साल बाढ़ से प्रभावित होते हैं, उन्हें हर वर्ष शुरू से सब चीजें प्रारंभ करनी पड़ती है। जरूरत है कोसी नदी को बिहार का वरदान बनाने की और यह तभी संभव है जब बिहार के नेता और प्रजा अपने–अपने काम ईमानदारी पूर्वक करेंगे।

- प्रशांत कुमार,
बी.एड., रौल न. – 31, सत्र (2024-26)

2024 की यादें

2024 की कुछ अच्छी और बुरी यादें। मैंने B.Ed कोर्स में दाखिला लिया, जिससे मुझे ज्ञान और कौशल में वृद्धि करने का अवसर मिला। मैंने नए विषयों का अध्ययन किया और अपने भविष्य के लिए तैयारी की । मैंने कुछ नए दोस्त बनाए, जिन्होंने मेरे जीवन में खुशियाँ और उत्साह लाया। हमने साथ में बहुत अच्छे पल बिताए और एक दूसरे के साथ जुड़े। साथ ही, मैंने अपने पुराने दोस्तों के साथ अपने रिश्तों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिससे हमारी दोस्ती और भी गहरी हुई। मैने कुछ महत्वपूर्ण परीक्षाओं और प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन नही किया, जिससे मुझे निराशा हुई। मैंने अपनी गलतियों से सीखा और अगली बार बेहतर तैयारी करने का प्रयास किया। कुछ रिश्ते हमेशा के लिए अलविदा कह गए। यह अलगाव मेरे लिए भावानात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मैने सीखा कि समय किसी भी व्यक्ति के लिए रूकता नहीं है। इन यादों को याद करते हुए, मै समझती हूँ कि जीवन में उतार–चाढ़ाव आते रहते है, लेकिन हमें हर एक अनुभव से सीखना चाहिए और जीवन में आगे बढ़ना चाहिए।

- वैशाली कुमारी, रौल न. – 41, सत्र (2024-26)

Department of B.P.Ed.

Admissions are open for B.P.Ed. Course
Session (2025 – 27)
Ph:- 9693204648

वर्ष 2024 मेरे जीवन का एक महत्त्पूर्ण वर्ष रहा । यह वर्ष मुझे अनेक नई चुनौतियों और अनुभवों से भरा मिला। जीवन के हर क्षेत्र में कई बदलाव देखने को मिले, जो मुझे व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से विकास करने का अवसर प्रदान करते रहे।

इस वर्ष की शुरूआत सकरात्मक ऊर्जा और नए संकल्पों के साथ हुई। मैने शिक्षा के क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का निश्चय किया और कठिन परिश्रम से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया। पढ़ाई के साथ–साथ मैंने अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया। नियमित योग और ध्यान ने मुझे संतुलित जीवन जीने में मदद की।

2024 में तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में भी कई बड़े बदलाव हुए। नई तकनीकों का विकास और अर्टिफिशयल इंटेलिजेंस का प्रभाव हमारे जीवन के हर पहलू में दिखाई दिया । इन सबके बावजूद, पारंपरिक मूल्यों और संस्कारों का महत्व भी समझ में आया। परिवार और दोस्तों के साथ बिताया गया समय मेरे लिए सबसे अनमोल था। त्योहारों का आनंद, खुशियों को साझा करना और एक–दूसरे के साथ बिताए गए क्षणों ने इस वर्ष को और भी खास बना दिया।

हालांकि, इस वर्ष में कुछ कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ा। समय–समय पर मिली असफलताओं ने मुझे धैर्य और संघर्ष का पाठ पढ़ाया। लेकिन हर असफलताओं से मैंने कुछ नया सीखा और आगे बढ़ने की प्रेरणा पाई।

2024 मेरे जीवन का एक ऐसा वर्ष था जिसने मुझे नई दिशा और दृष्टिकोण दिया। इस वर्ष की यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी, और मैने जो सीखा है, वह आने वाले वर्षो में भी मुझे प्रेरित करता रहेगा।

– मनीष कुमार शर्मा, रौल न. – 80, सत्र (2024-26)

HAPPY HOLI

Wish you very happy Holi